Literacy for a Billion

Movie: Haqeeqat 1964
Year: 1964

Song: Kar Chale Hum Fida
Lyricist: Kaifi Azmi

कर चले हम फ़िदा
जानो तन साथियों
अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों

कर चले हम फ़िदा
जानो तन साथियों
अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों

कर चले हम फ़िदा
जानो तन साथियों
अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों

साँस थमती गई
नब्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते क़दम को
ना रुकने दिया
कट गए सर हमारे
तो कुछ ग़म नहीं
सर हिमालय का हमने
ना झुकने दिया
मरते मरते रहा
बाँकपन साथियों
अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों

कर चले हम फ़िदा
जानो तन साथियों
अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों

ज़िन्दा रहने के मौसम
बहुत हैं मगर
जान देने की रुत रोज़
आती नहीं
हुस्न और इश्क़
दोनों को रुसवा करे
वो जवानी जो ख़ूँ में
नहाती नहीं
आज धरती बनी है
दुल्हन साथियों
अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों

कर चले हम फ़िदा
जानो तन साथियों
अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों

राह कुरबानियों की
ना वीरान हो
तुम सजाते ही रहना
नए क़ाफ़िले
फ़तह का जश्न
इस जश्न के बाद है
ज़िन्दगी मौत से

मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से
कफ़न साथियों
अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों

कर चले हम फ़िदा
जानो तन साथियों
अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों

खेंच दो अपने ख़ूँ से
ज़मीं पर लकीर
इस तरफ़ आने पाए
ना रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर
हाथ उठने लगे
छू न पाए ना
सीता का दामन कोई
राम भी तुम
तुम ही लक्ष्मन साथियों
अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों

कर चले हम फ़िदा
जानो तन साथियों
अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों

अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों
अब तुम्हारे हवाले
वतन साथियों

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.